प्रादेशिक समाचार
आकाशवाणी जयपुर–अजमेर

दिनांकः 13.01.2025 समय : 09:00 ए.एम.

.....

- विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक समागम महाकुंभ आज प्रयागराज में अमृत स्नान के साथ शुरू।
- महिला और बाल विकास मंत्रालय की ओर से उदयपुर में आयोजित चिंतन शिविर सम्पन्न।
- लोहड़ी का पर्व उत्साह के साथ मनाया जा रहा है–प्रदेश में विभिन्न स्थानों पर आयोजन
- राज्य में पश्चिमी विक्षोभ के असर से हुई बारिश और ओलावृष्टि से तेज सर्दी और गलन का एहसास बढा–कई जिलों में स्कूली विद्यार्थियों का अवकाश घोषित।

.....

विश्व का सबसे बड़ा आध्यात्मिक और सांस्कृतिक समागम महाकुंभ आज पौष पूर्णिमा के अवसर पर प्रयागराज में अमृत स्नान के साथ शुरू हो गया है। लाखों श्रद्धालु, तीर्थयात्री और आगंतुक गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम त्रिवेणी के विभिन्न घाटों पर पवित्र डुबकी लगा रहे हैं। इस भव्य आयोजन का समापन 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन होगा। 144 वर्षों में एक बार होने वाला एक दुर्लभ खगोलीय संयोग इस वर्ष महाकुंभ की विशेषता को और बढ़ा रहा है। इस पवित्र अनुष्ठान के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि रेलवे ने पिछले तीन वर्षों में महाकुंभ के लिए बुनियादी ढांचे को बढ़ाने पर 5000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसमें नए प्लेटफॉर्म, रेल मार्गों का दोहरीकरण, और तीर्थयात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा है कि प्रयागराज स्टेशन पर एक "वॉर रूम" और रेलवे बोर्ड में भी ऐसा ही एक वॉर रूम बनाया गया है। यह वॉर रूम रात दिन काम करेगा और सभी रेलवे गतिविधियों की निगरानी करेगा। इधर राजस्थान रोडवेज ने भी महाकुंभ में जाने के लिए जयपु से विशेष बसे संचालित की है।

.....

राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने कहा है कि विद्यार्थियों के अंदर छिपे हुए वैज्ञानिक चिंतन के विकास में शिक्षण संस्थान अग्रणी रहकर काम करे। उन्होंने विद्यार्थियों में वैज्ञानिक चिंतन की दृष्टि विकसित किए जाने का आह्वान किया। राज्यपाल ने कल जयपुर में विद्यार्थी विज्ञान मंथन शिविर के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों के अंदर छिपे वैज्ञानिक चिंतन को निकालने की दृ ष्टि से ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने देश में विज्ञान की समृद्ध परंपरा की चर्चा करते हुए वैदिक ज्ञान के आलोक में विकसित भारत के निर्माण के लिए भी सभी को मिलकर काम करने का आह्वान भी किया। इस अवसर पर राज्यपाल ने राज्य स्तरीय विज्ञान शिविर में चयनित उत्कृष्ट प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया।

.....

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से उदयपुर में आयोजित तीन दिवसीय चिंतन शिविर कल सम्पन्न हुआ। इस शिविर में 32 राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिनमें महिला एवं बाल विकास विभागों के 16 राज्य मंत्री शामिल थे। इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के कल्याण और विकास से संबंधित प्रमुख मुद्दों पर विचार–विमर्श करना था। चिंतन शिविर का उद्घाटन मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और केन्द्रीय महिला और बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने किया। चिंतन शिविर के दौरान मंत्रालय की प्रमुख योजनाओं–मिशन सक्षम आंगनबाड़ी और पोषण 2.0, मिशन वात्सल्य और मिशन शक्ति पर विस्तृत चर्चा की गई। महिलाओं की सुरक्षा, बाल पोषण और आंगनवाड़ी केंद्रों को मजबूत बनाने जैसे विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों द्वारा सर्वोत्तम कार्य प्रणालियां साझा की गई। चिंतन शिविर के समापन पर केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य

मंत्री सावित्री ठाकुर ने आंगनवाड़ी सेवाओं में सुधार और महिलाओं की कार्यबल भागीदारी को बढ़ावा देने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

.....

कोटा के अभेडा बायोलॉजिकल पार्क में आज से तीन दिवसीय बर्ड फेयर आयोजित किया जा रहा है। इस फेयर में प्रवासी पक्षियों के बारे में जानकारी दी जायेगी। इन दिनो कोटा सहित हाड़ौती के विभिन्न स्थलों पर बलूचिस्तान, इराक, ईरान, मंगोलिया, अमेरिका, साउथ अफ्रीका सहित अन्य देशों से प्रवासी पक्षी आते हैं। इन पक्षियों की प्रजातियों के बारे में आमजन को जागरूक करने के उद्देश्य से बर्ड फेयर का आयोजन किया जा रहा है। हमारे कोटा संवाददाता ने बताया कि फेयर के दौरान पक्षियों के चित्रों की प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी।

.....

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज जम्मू–कश्मीर में सोनमर्ग सुरंग परियोजना का उद्घाटन करेंगे। यह सुरंग लेह के रास्ते श्रीनगर और सोनमर्ग के बीच हर मौसम में आवाजाही सुनिश्चित करेगी। प्रधानमंत्री सुरंग बनाने वाले मज़दूरों से मिलकर इस इंजीनियरिंग उपलब्धि में योगदान के लिए उनका उत्साहवर्धन करेंगे। करीब 12 किलोमीटर लंबी सोनमर्ग सुरंग परियोजना के निर्माण पर दो हजार सात सौ करोड़ रुपये से अधिक की लागत आई है। इसमें सोनमर्ग मुख्य सुरंग, निकास सुरंग और पहुंच मार्ग शामिल हैं। यह सुरंग भूस्खलन और हिमस्खलन वाले मार्गों से बचाते हुए लद्दाख तक सुरक्षित और निर्बाध पहुंच सुनिश्चित करेगी। इससे पर्यटक अब साल भर सोनमर्ग जा सकेंगे, जिससे शीतकालीन पर्यटन, रोमांचक खेल और स्थानीय आजीविका को बढ़ावा मिलेगा।

.....

लोहड़ी का पर्व आज उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। फसलों के इस त्योहार पर विशेष आयोजन किये जायेंगे। सूर्य देव और अग्नि के साथ ही प्रकृति पूजा के लिए समर्पित इस पर्व पर अग्नि की पूजा की जायेगी। साथ ही नवविवाहित दम्पत्तियों, नवजात बच्चों और देश प्रदेश की सुख समृद्धि के लिए विशेष पूजा की जायेगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु और उप–राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने लोहड़ी, मकर संक्रांति, पोंगल और माघ, बिहू त्योहारों के लिए शुभकामनाएं दी हैं। अपने संदेश में राष्ट्रपति ने कहा कि ये त्योहार देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं और सभी के जीवन में उत्साह तथा खुशियां लाते हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुभकामनाएं देते हुए अपने संदेश में कहा कि लोहड़ी का त्योहार प्रकृति की कृपा और किसानों की कड़ी मेहनत तथा समर्पण का प्रतीक है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेशवासियों को बधाई देते हुए कहा कि सूर्य देव के उत्तरायण होने और बसन्त ऋतु के आगमन की खुशी में मनाया जाने वाला यह पर्व हमारे देश की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक है। प्रदेशभर में लोहडी पर्व को लेकर पंजाबी समुदाय में खासा उत्साह देखा जा रहा है। जयपुर में विभिन्न स्थानों पर आयोजन होंगे। राजापार्क मुख्य चौराहे पर अग्नि प्रज्वलित कर लोहडी मनाई जायेगी। उधर, श्रीगंगानगर से हमारे सवांददाता ने बताया कि सूर्यास्त के बाद लोग अग्नि प्रज्वलित कर इसकी परिक्रमा करेंगे।

.....

प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के असर से हुई बारिश और ओलावृष्टि से तेज सर्दी और गलन का एहसास और बढ गया है। शनिवार से शुरू हुआ बारिश का दौर कल भी राज्य के विभिन्न जिलों में जारी रहा। शीतलहर के कारण तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। अधिकतर जिलो में सुबह और रात को कोहरा देखा जा रहा है। इससे यातायात पर असर पडा है। जोधपुर में नमी और कोहरे की वजह से तापमान में गिरावट देखी जा रही है। कोहरे की वजह से दृश्यता भी कम हो गई है। जैसलमेर में शीतलहर चलने के कारण कड़को की सर्दी पड रही है। बाडमेर और करौली में सुबह से ही कोहरा छाया हुआ है। दृश्यता कम होने से वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड रहा है। डीग जिले में कल शाम से हुई बारिश ने सर्दी का एहसास और बढा दिया है। बारिश के कारण शहर के निचले क्षेत्रों में जल भराव हो गया है जिससे आम जन जीवन प्रभावित हुआ। पाली में सर्दी से बचाव के लिए लोग तरह–तरह के जतन कर रहे है। श्रीगंगानगर में मावठ के बाद पूरा इलाका घने कोहरे और तेज ठंड की चपेट में है। सीकर और जालोर में

भी कड़ाके की ठंड का दौर जारी है। तेज सर्दी के कारण जालोर में जिला कलेक्टर ने विद्यार्थियों का दो दिन का अवकाश घोषित किया है।

.....

प्रदेश में पड रही तेज सर्दी और शीतलहर के चलते राज्य के विभिन्न जिलों के सरकारी और निजी विद्यालयों के कक्षा 1 से 8 तक के विद्यार्थियों के लिए अवकाश घोषित किया गया है। जयपुर, सीकर,दौसा, भीलवाडा, झुंझंनूं, कोटा, झालावाड, बारां, बाडमेर और कोटपूतली–बहरोड़ में जिला कलेक्टरों ने आज की छुट्टी घोषित की है। वहीं पाली और अजमेर में 13 और 14 जनवरी और सवाईमाधोपुर में 13 से 16 जनवरी तक अवकाश घोषित किया गया है।

.....